भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3073

06 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

चेन्नई में मेट्रो रेल नेटवर्क

†3073. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियनः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) की द्वितीय चरण परियोजना के कॉरिडोर 3, 4 और 5 में लंबित कार्यों के संबंध में तेजी लाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी निधि जारी की गई है; और

(ख) चेन्नई में मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार का शहरी गतिशीलता, यातायात जाम को कम करने और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी में सुधार के संबंध में क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) केंद्र सरकार द्वारा **63,246** करोड़ रुपये की लागत वाली चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना चरण **II**, जिसकी कुल लंबाई **118.9** किमी है तथा जिसमें तीन कॉरिडोर शामिल हैं, अर्थात, **(i)** कॉरिडोर **3 -** माधवरम से एसआईपीसीओटी (**45.8** किमी); **(ii)** कॉरिडोर **4 -** लाइट हाउस से पून्नमाली बाईपास (**26.1** किमी), और (**iii)** कॉरिडोर **5 -** माधवरम से शोलिंगनल्लूर (**47.0** किमी) को स्वीकृति प्रदान की गई है। चेन्नई मेट्रो चरण **II** परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड **(**सीएमआरएल) ने सूचित किया है कि परियोजना की वर्तमान वास्तविक प्रगति **54.62%** है। चेन्नई मेट्रो के लिए केंद्रीय निधियां विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीवी), अर्थात् चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) द्वारा प्रस्तुत निधि की आवश्यकता के आधार पर जारी की जाती हैं, जो परियोजना की प्रगति पर निर्भर करती है। अक्टूबर, **2024** में परियोजना को स्वीकृति दिए जाने के बाद से भारत सरकार द्वारा चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना चरण-**II** के लिए **14,545.91** करोड़ रु. जारी किए जा चुके हैं। परियोजना की शीघ्र पूर्णता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उच्चाधिकार प्राप्त समिति, चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड के निदेशक मंडल तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न स्तरों पर इसकी प्रगति की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

(ख) सीएमआरएल ने सूचित किया है कि चरण-II के अंतर्गत चेन्नई मेट्रो रेल के विस्तार से चेन्नई महानगर क्षेत्र में निर्बाध, सुरक्षित और प्रभावी सार्वजनिक परिवहन संपर्क प्रदान करके शहरी मोबिलिटी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इस मेट्रो नेटवर्क के रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, हवाई अड्डे तथा अन्य मेट्रो कोरिडोरों के साथ भौतिक एकीकरण से यातायात भीड़भाड़ में कमी आने की संभावना है। लास्ट माइल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए समर्पित फीडर सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि मेट्रो का उपयोग प्रारंभ से गंतव्य तक की यात्रा के लिए अधिक सुविधाजनक हो सके।

*****